रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 804] नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 1, 2003/भाद्र 10, 1925
No. 804] NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 1, 2003/BHADRA 10, 1925

विधि एवं न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 2003

का.आ. 1010(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग-II, खण्ड 3, उप खण्ड (ii), दिनांक 27 अगस्त, 2003 में प्रकाशित भारत सरकार, विधि एवं न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना के का.आ. 985(अ) दिनांक 27 अगस्त, 2003 के पृष्ठ संख्या 1 पर—

पंक्ति संख्या 12 में ''श्री नारायण सिंह'' के स्थान पर ''डॉ. नारायण सिंह मानकलाव'' पढ़ा जाए।

[फा. सं. एच-11024/3/2003-वि.-II]

एन. एल. मीना, संयुक्त सचिव एवं विधायी परामर्शी

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Legislative Department)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 1st September, 2003

S.O. 1010(E).—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Law and Justice (Legislative Department) published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 27th August, 2003 vide number S.O. 985(E), dated the 27th August, 2003 at pages 1 to 2,—

at page 2, in line 9, *for* "Shri Narayan Singh" *read* "Dr. Narayan Singh Manaklao".

[F. No.H-11024/3/2003-Leg. II]

N. L. MEENA, Jt. Secy. and Legislative Counsel

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.